

यिउ। म्पनीयउ। गिउयउ। म्पुउउ। मि
 नेउ। गिउ। यमचः। म्पनेनमीउः।
 विच। उ० म्पुनीयिउ। नम्पुउन
 मिउकिमा। मिक्कीकुग। तादा।
 एउमिपुग। म्पुउचेउ। म्पना। म्पग
 उनं म्पनीउमीउः। म्पमउ।
 म्पुउ० उजीग नमिनेचेगउ
 म्पुउचेउ। म्पुने उउमीउः। कीग
 विच म्पुमकण्डमा मिक्कीकु

ॐ डिभिउडे। सुमीदडा। सुभुमलि
 ५:। ये ॐ डि किभा। म्मीपु॥ ॐ
 नपभपुष्ट॥ ॐ। गडा विहृष्ट
 सुत्रभपुष्ट॥ ॐ। उपभनमदिष्ट
 मीत्रेठवडि यन्। सुमीदकगम
 पग॥ गंयउ, गंयडा॥ सुत्रभपुष्ट
 मृडि किभा॥ निरियडे, मभियडा॥
 ॐ। नडे निग भभा पुदे॥ य
 ॐमिपेसिडि किभा॥ ॐयडा। मपुमी

यम य उडिकि॥ पु लपीपु।
रभमे हुँ सुमीगुडे पदमी॥

उगंमु मरीयिउ यित्रीपु॥ ७

कगउ हुडे लि सुगंकरग
भेठवति मेरीयिउ यित्रीपुये मभग॥
मेरीयउ। लद्दी यउ। महुउं कमेति
दगति यमरुः सुनेनगंकरग मभः
गुभा विच महु मकदभा यि
निकडी यति कहु मभिसुह दन :

नमः बुद्धे मयं विना । मये कही यति
 कउ उवायगडि कउग यिः भले
 पञ्चैष्टयिः न भिवृत्तुत्तु म्मिष्ट
 योगनिपः ॥ उगटुत्तु ॥ टकगत्तु
 मूउे गुत्तु मनि मवि कल् पत्तु
 कग नभे कवडि ॥ बुद्धियते बुद्धि
 यते भियते । म्मल बुद्धे यल म
 वत्तुने मल पत्तु म्मल म्मल म्मल
 उ म्मल म्मल म्मल म्मल म्मल म्मल

सु.
 व. ०

०००

परिःक
न विः
५१

कण्डू कण्डूः कण्डू कण्डूः ॥
 वड डि कि भा ॥ कपी ॥ मुनि भि सं ये
 गन्धे ॥ एग डि भू प न्धे ॥ एग नडा
 वि डि व म न्धे ॥ मं ये गन्धे सु ए क ग म्
 मुनि क व डि य म् भि भू मी द क ग म् प ग म्
 प ग ॥ म द डे म द डे म द डे म द डे
 एग डि भू भि भू प म् ॥ व ड डि कि भा
 म् भू प म् भू भू प म् ॥ म् भि ग म् भि भू
 भि भू भू म् वि डि म् भि भू भू

३
 ४००
 ०९

नमः॥ मरीचिउम॥ मुः भंये गम्
 सुकगमु पुं कवि मरीचिउपग॥
 मगदउ॥ एगि भूपनयेः दम्/गडा वि
 डि व कृदिनम्/मुडि उयडिव भु
 मि भुडि द भदि भमु कल्लादा उ डि
 यमदः भनेन पुः भुगम्/दिग्री
 यथे डि दद्विच भनम्/दुल्लन लेयः
 मीद्वेन गभानुमुदृ दभभमीद्वः
 भंये गम्/द्वः भुभुद्वे भु/मन्त्र

ਸੁ.
ੴ.ੴ

५३ भिसुट्टः यिग, उकग्न कग
 विदुं नन गंडुभा। यिगीडि किभा॥
 मुठ कष्टि। वरलमुडि किभा गय
 भिसुट्टः गैयाडि॥ **गम्यमुभत्रहृष्टेः॥**
 वरुक् उहमुपसु उ चिमे रुवाडि
 भवहृष्टं म पगः। इकगः प्रधमी
 हृष्टः। रिप्यडि। वप्यभग॥ पडु
 भिसुगीडि वहेरु उउच कग उ
 डिभन मष्टि प्रध भिसुडु उग

नन एते भू नमः ननि निच
 नन नन नन नन नन नन नन
 नन नन नन नन नन नन नन
 नन नन नन नन नन नन नन

नन नन नन नन नन नन नन

नन नन नन नन नन नन नन

नन नन नन नन नन नन नन

नन नन नन नन नन नन नन

नन नन नन नन नन नन नन

नन नन नन नन नन नन नन

नन नन नन नन नन नन नन

नन नन नन नन नन नन नन

नन

नन

०३३

भुम्भामि भद्रगण्डयमिद्र
 मजीवीदादिः भद्रमपे
 यमिनेक्रिडंभा नमो
 वलीरविममि मिउठप
 ममपवातुलप्रपवलभु
 विमगल्लुभा ॥ १ ॥ पद्म
 वनरलेनेन रुद्रभुनमभा
 मिउः सुवलंयंलप्रमजी
 वलंउहं भुमिउरुको ॥ ३ ॥
 भाभिन सुठापगैः भदिउं

मरुधूं भुमीमवलीमयमिउ
 ऊरुमभुवद्विः यदुभन'सु
 कपगैत्रमैयुऊरुधूं उऊम
 वैनदिठवेमिडिमिउभमै॥१॥
 मधूममिथडिनयुडेमिउ
 पापमृदुउपवेऊमलिउः
 मभुवापविलयंप्रयाडिउ
 उेनएत्रपुगेमभीमिउं॥३॥
 पुमेएत्रमिभवेधंभद
 भनंवल'रुलमाविभुधु

भर्तृवैयं उतिवद्वपिमि
 उयेडा। ७, भद्वलेपुष्टभद
 मेण्मसिद्धितनामः, सु
 क्कामीकिडयुड वृष्टय
 वृष्टयैविमुः, ००, लग्नाडु
 रुष्टुः ८ मुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टु
 रुष्टु सुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टु
 सुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टु
 सुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टु
 सुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टु

१ प्रकृतः सुकः सुकयुक्तं पाप
 २ सुकममे सुकममदरे ०३
 ३ यद्वत् ४ यद्वत् सुकभुक्तः
 ४ सुकवदः सुकभुक्तं सुकभुक्तं
 ५ सुकभुक्तं विमलं यद्वत् ०३
 ६ सुकभुक्तं सुकभुक्तं सुकभुक्तं
 ७ सुकभुक्तं सुकभुक्तं सुकभुक्तं
 ८ सुकभुक्तं सुकभुक्तं सुकभुक्तं
 ९ सुकभुक्तं सुकभुक्तं सुकभुक्तं
 १० सुकभुक्तं सुकभुक्तं सुकभुक्तं

गीतं भूते वक्ष्ये मन्त्रिये भक्त
 मन्त्रिभूतं वक्ष्ये मन्त्रि
 मेहुलमा ॥ ५ ॥ यमाभिने
 णनगापनन युते मन्त्रिभूत
 मन्त्रिभूतः पापा मन्त्रि
 मन्त्रिभूतः नष्टे मन्त्रि
 मन्त्रिभूतः दिनमः ॥ ७ ॥
 मन्त्रिभूतः सुकर्म मन्त्रि
 वला मन्त्रिभूतः यमाभिने

युद्धे एये वदनमभुलकः
 पयभगदमयमेज्जनमः ॥
 कृदमिभिः भलभंयुतेमुठेः
 भंयुते भवमलदयप्रमभ
 भद्रवसमुठपपठुधियुका
 क्रुमतेलयमदीगितवैः ०३
 एलिमभमिमिमापगठाधुन
 भंयुते यदियपभुमिन्मं
 कलेभाडिभा सुवडरभभु

